༄༅།།བོད་ཀྱི་རིང་བསྲུན་དབེ་ཚོགས་ལྷེ་གནས།།

Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W8LS17925	***ImageGroup:***	I8LS17962
LCCN:	n/a	***ISBN:***	n/a

Title:	སཾ་པུ་ཏའི་བསྡུས་དོན། saM pu Ta'i bsdus don/
Author:	བློ་གྲོས་རྒྱལ་མཚན་ blo gros rgyal mtshan
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor Cambridge, MA 02138. Comments: 07/2016

॥ श्रीशङ्करानन्दपादाम्बुजेभ्यो नमः ॥

༄༅། ། [illegible] ཟླ་བ་གྲགས་པ་ཀྱི་ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ། ། ཡང་ན་ནི། [illegible] ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ [illegible]

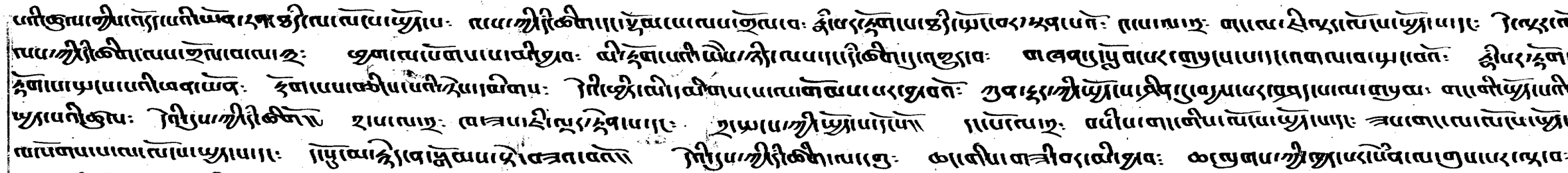
[illegible] ། ། ཡང་ན་ནི། [illegible]

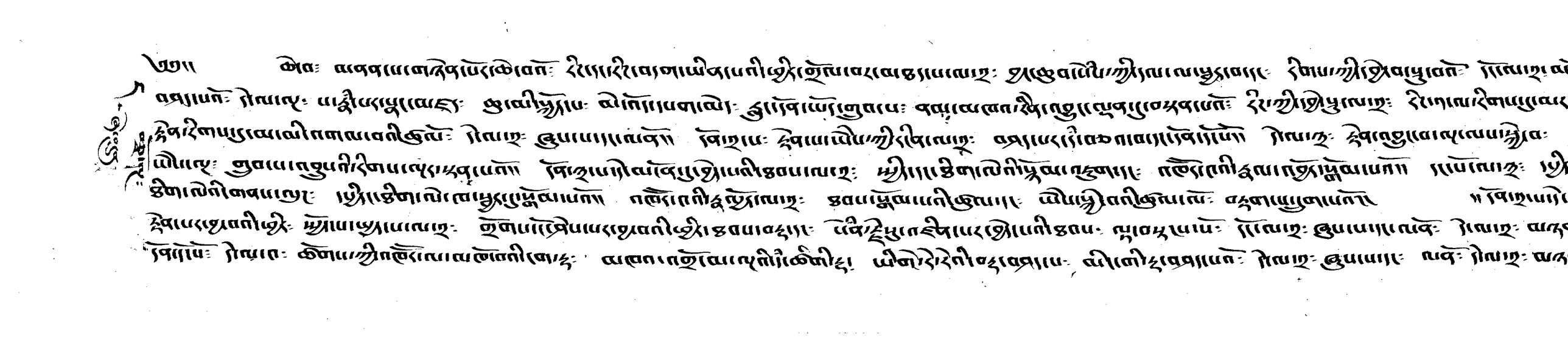
[illegible] ། ། ཡང་ན་ནི། [illegible]

[illegible] ། ། ཡང་ན་ནི། [illegible]

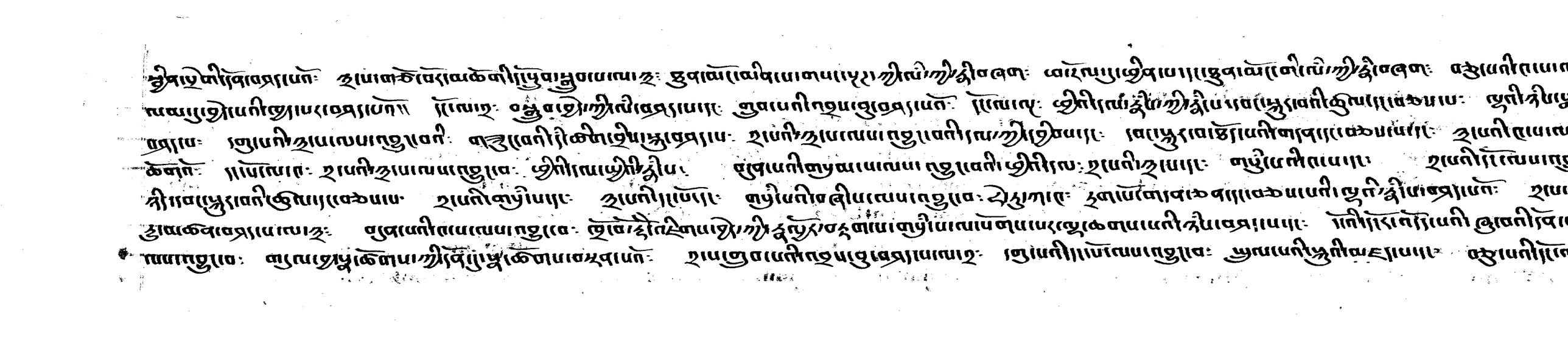
[illegible]

॥ ॐ नमः सुमतिनाथाय ॥ अथ प्रथमोऽधिकारः ॥ सुमतीशं सुमतिदं सुमतिं सुमतिप्रियम् ॥ सुमतीड्यं सुमतिकं सुमतिं सुमतिं स्तुवे ॥ १ ॥ अथ
श्रीमान्सुमतिनाथस्य पुराणं प्रथमं परम् ॥ वक्ष्ये सर्वजनानन्दं सर्वसौख्यप्रदायकम् ॥ २ ॥ अस्ति जम्बूमति द्वीपे भरतक्षेत्रमुत्तमम् ॥
तत्रार्यखण्डे विख्यातो देशः कोसलनामकः ॥ ३ ॥ तत्र साकेतनगरी सर्वसम्पत्समन्विता ॥ तत्र राजा महाबाहुः प्रजापालनतत्परः ॥ ४ ॥
तस्य राज्ञी महादेवी सुमङ्गलेति विश्रुता ॥ तस्यां स जनयामास पुत्रं मेघरथाभिधम् ॥ ५ ॥ तस्य पुत्रस्य जन्मोत्सवं कर्तुं सौधर्मनायकः ॥
आगतः सपरीवारः सुरैः सर्वैः समन्वितः ॥ ६ ॥ ततो जिनं समादाय ऐरावतगजोपरि ॥ आरुह्य सुरराजोऽसौ ययौ मेरुं महाद्रिराट् ॥ ७ ॥
तत्र पाण्डुकशैलस्य पाण्डुकाख्यशिलोपरि ॥ पूर्वाभिमुखसिंहासनस्थं कृत्वा जिनं मुदा ॥ ८ ॥ क्षीरोदवार्भिः सुकलशैः सुरेन्द्रः
क्षीरसन्निभैः ॥ अभिषेकं जिनेन्द्रस्य चकार परमोत्सवात् ॥ ९ ॥ ततः सौधर्मनाथेन सुमतिः सुमतीश्वरः ॥ इति नाम्ना समाख्यातः
सर्वलोकहितप्रदः ॥ १० ॥ ततः सौधर्मनाथेन सुमतिः सुमतीश्वरः ॥ इति नाम्ना समाख्यातः सर्वलोकहितप्रदः ॥ ११ ॥ ततः





ॐ नमो भगवत्यै महाविद्यायै महाकाल्यै महाकालरात्र्यै महाकालनिशायै महाकालसंहारायै महाकालसंहारकारिण्यै महाकालसंहारकारिकायै महाकालसंहारकारिकायै महाकालसंहारकारिकाय



༄༅།། [illegible]

[illegible]